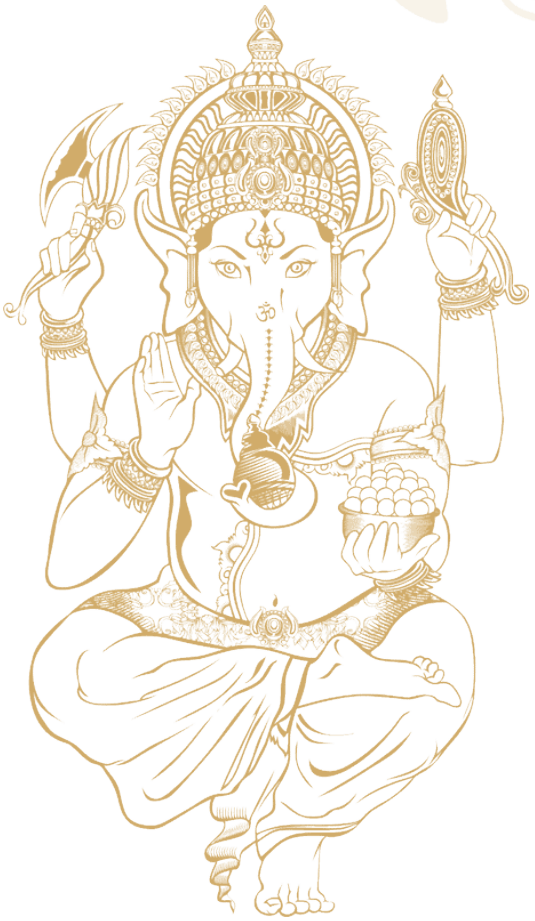

Akhil

Neti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121661902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/08/1988	जन्म तिथि	26/09/1998
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 16:10:00	जन्म समय	11:10:00 घंटे
घटी 25:26:07	जन्म समय(घटी)	12:12:15 घटी
India	देश	India
Basoli	स्थान	Jammu
32:29:00 उत्तर	अक्षांश	32:42:00 उत्तर
75:51:00 पूर्व	रेखांश	74:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:36	स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:59:33	सूर्योदय	06:21:02
18:54:49	सूर्यास्त	18:22:24
23:42:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:12

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 8वर्ष 4मा 15दि	23:23:38	धनु	लग्न	वृश्चि	08:52:41	शनि 10वर्ष 3मा 16दि
शुक्र	12:36:07	सिंह	सूर्य	कन्या	09:06:16	केतु
13/01/2021	10:47:23	मीन	चंद्र	वृश्चि	09:26:29	12/01/2026
13/01/2041	17:42:26	मीन व	मंगल	कर्क	29:12:41	12/01/2033
शुक्र 14/05/2024	04:14:34	कन्या	बुध	कन्या	09:26:24	केतु 10/06/2026
सूर्य 15/05/2025	11:19:16	वृष	गुरु व	कुंभ	27:53:18	शुक्र 10/08/2027
चन्द्र 13/01/2027	26:58:07	मिथु	शुक्र	कन्या	00:16:05	सूर्य 16/12/2027
मंगल 15/03/2028	02:13:47	धनु व	शनि व	मेष	08:22:28	चन्द्र 16/07/2028
राहु 15/03/2031	20:22:40	कुंभ	राहु व	सिंह	07:08:07	मंगल 12/12/2028
गुरु 13/11/2033	20:22:40	सिंह	केतु व	कुंभ	07:08:07	राहु 31/12/2029
शनि 13/01/2037	03:21:52	धनु व	हर्ष व	मक	15:10:58	गुरु 06/12/2030
बुध 14/11/2039	13:49:51	धनु व	नेप व	मक	05:36:43	शनि 15/01/2032
केतु 13/01/2041	16:30:55	तुला	प्लूटो	वृश्चि	11:55:10	बुध 12/01/2033

लग्न-चलित

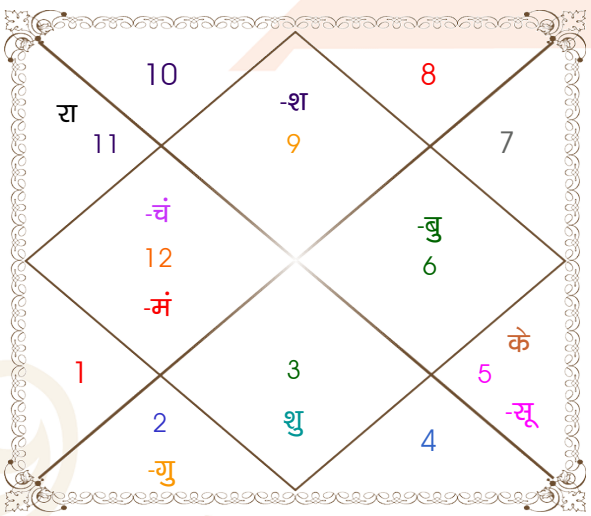

लग्न-चलित

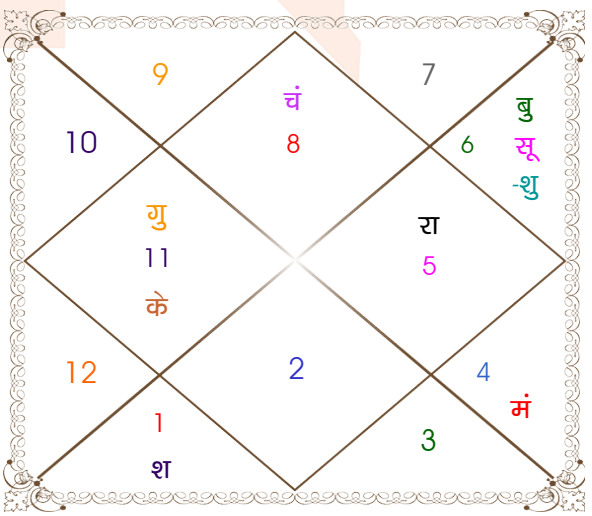

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Akhil का वर्ग सिंह है तथा Neti का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Akhil और Neti का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Akhil मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Akhil कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Neti मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Neti कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Akhil तथा Neti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।